(ग) इस प्रकार का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है ।

रणथम्भौर टाइगर प्रोजेक्ट्स, सवाई माधोपुर

513. **डा० अबरार अहमद** : क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रणथम्भौर टाइगर प्रोजेक्ट, सवाई माधोपुर में विभिन्न मदों के अधीन उपलब्ध करवाई गई धनराशि को खर्च करके कितने एनिकट, कुंए, बांध, तालाब बनाए गए या गहरे किए गए तथा केंद्रीय सरकार द्वारा जनवरी, 1987 से जुलाई, 1991 तक सूखे से राहत के लिए कितनी धनराशि प्रदान की गई और ये किन-किन स्थानों पर बनाए गए हैं और प्रत्येक पर कितनी लागत आई और क्या वे इस समय विद्यमान हैं ;

(ख) क्या टाइगर प्रोजेक्ट में इस अवधि के दौरान कोई नलकूप भी लगाए गए हैं ; यदि हां, तो उनकी संख्या कितनी है और किन-किन स्थानों पर लगाए गए हैं और अब उनकी स्थिति क्या है ; और

(ग) क्या सरकार अगली किस्त जारी करने से पहले आवंटन में से खर्च की गई राशि की लेखापरीक्षा, सत्यापन और वास्तविक निरीक्षण करने के लिए अनुदेश जारी करने का विचार रखती है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) रणथम्भोर टाइगर प्रोजेक्ट में जनवरी, 1987 से जुलाई 1901 तक बनाए गए या गहरे किए गए एनिकट कुंओं, बांधों, तालाबों की संख्या इस प्रकार है :—

	बनाए गए	गहरे किए गए
एनिकट	11	—
कुंए	—	15
बांध	—	—
तालाब	3	3

विभिन्न शीर्षों के तहत उपलब्ध कराई गई और खर्चा की गई धनराशि इस प्रकार है :—

शीर्ष	उपलब्ध कराई गई धनराशि	खर्च की गई धनराशि
	रु०	रु०
केंद्रीय प्रायोजित स्कीम गैर आवर्ती	40,75,000	25,14,092

	स्वीकृत की गई धनराशि	खर्च की गई धनराशि
	रु०	रु०
सवाई माधोपुर के कलैक्टर के माध्यम से दी गई सूखा राहत राशि	1,50,000	74,411

जहां ये ढांचे बनाए गए उन स्थानों के नाम और उनमें से प्रत्येक पर आई लागत संलग्न विवरण में दर्शाई गई है । **(नीचे देखिए)**

बनाए गए सभी ढांचे इस समय विद्यमान हैं ।

(ख) टाइगर प्रोजेक्ट में कोई नलकूप नहीं लगाया गया है । लेकिन, इस अवधि के दौरान निम्नलिखित तीन पुराने कुंओं में बोरिंग की गई ताकि उनमें फिर से पानी लाया जा सके :—

वर्ष	स्थान	कुंओं की संख्या	खर्च की गई धनराशि
1987–88	प्रोजेक्ट टाइगर कैम्पस, सवाई माधोपुर	एक	12,476 रु०
1991–92 (जुलाई, 91 तक)	कैलाशपुरी	दो	13,340 रु०

ढांचे इस समय विद्यमान हैं ।

(ग) सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचराधीन नहीं है ।

विवरण

एनिकट बांधों और कुंओं के बनाने और गहरा करने पर खर्च की गई राशि का ब्यौरा

क्रम सं०	सेवा का शीर्ष	स्थान का नाम जहां बनाए गए	लागत
1	2	3	4
	I. केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम (गैर-आवर्ती)		रु०
	(1) एनिकट	1. मिलक तालाब	2,07,996.00
		2. बेरदा	1,66,419.00
		3. साकेडी	1,47,057.00
		4. छिन्दाली	3,01,981.00
		5. पंडयाकी ताल	2,00,046.00
		6. पोला पानी	2,10,609.00
		7. चिरोली	1,98,696.00
		8. नल घाटी	2,31,476.00
		9. माह खो	4,13,232.00
		10. राहर	27,030.00
		11. निभोरा	1,62,628.00
		कुल	**22,67,170.00**

1	2	3	4
			रु०
	(2) गहरे किए गए कुंए	1. लाहपुर 1	8,729.00
		2. अनन्त पुर 2	4,99.00
		3. गुधा 1	15,701.00
		4. ग्राम चौकी 1	6,006.00
		5. झरना की कुई 1	2,030.00
		6. बंडरबेल की बाओडी 1	2,016.00
		7. प्रोजैक्ट टाइगर कार्यालय कैम्पस 1	13,186.00
		8. नाका शेरपुर 3	16,964.00
		9. पटवा बाओडी 1	23,805.00
		10. प्रोजेक्ट रेंज 1	8,832.00
		11. कैलाशपुरी 2	13,340.00
		योग :	1,15,108.00
	(3) तालाब	1. कुकराज की तलाई (बनाई)	रु० 30,174.00
		2. बहादुर पुर की तलाई (बनाई)	51,181.00
		3. चेमार तलाई (बनाई)	29,922.00
		4. कोडी तलाई (गहरी की गई)	10,268.00
		5. खेवा तलाई (गहरी की गई)	10,269.00
		योग	1,31,814.00
		कुल योग	25,14,092.00
II.	1988-89 के वर्ष के दौरान कलैक्टर सवाई माधोपुर द्वारा स्वीकृत निधियां (सूखा) राहत		रु०
		1. फीडर गनाल लाहपुर,	33,345.00
		2. पदम तालाब को गहरा करना	41,066.00
		योग :	74,411.00

Policy on degraded forest lands

514. SHRI GURUDAS DAS GUPTA:
DR. Z. A. AHMAD:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether Government have formulated a new policy to involve village communities and Voluntary agencies for regeneration of degraded forest lands; and

(b) if so, what are the details thereof and the steps being taken for its implementation?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRNOMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) and (b) The Government of India have issued guidelines